[This question paper contains 7 printed pages.]

Your Roll No. ....

479

B

B.A. (Programme)/I

(L)

SANSKRIT DISCIPLINE—Paper I

(Poetry, Prose and History of Sanskrit Literature)

(Admissions of 2004/2006 and onwards in respect of Students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 75

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.*)

Note : (*i*) Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

(*ii*) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

टिप्पणी : (*i*) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

[P. T. O.

(*ii*) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. Explain with reference to the context any *one* of the following verses : 5

निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(*a*) (क) मन्दः कविर्यशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः॥

(ख) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणाः गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव॥

(ग) उपपन्नं ननु शिवं सप्तस्वङ्गेषु यस्य मे।
दैवीनां मानुषीणां च प्रतिहर्ता त्वमापदाम्॥

(*b*) Explain with reference to context : 5

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतः सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्॥

Or/अथवा

साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात् पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥

(c) Translate any *two* of the following :

किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : 5

(*i*) येषां न विद्या न तपो न दानम्
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(*ii*) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटन् शशविषाणमासादयेत्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(*iii*) जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यम्
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिम्
सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्॥

2. Summarise the contents of first canto of Raghuvam a. 5

रघुवंश के प्रथम सर्ग का संक्षिप्त सार प्रस्तुत कीजिए।

Or / **अथवा**

Discuss 'उपमा कालिदासस्य' giving illustrations from 1st canto of Raghuva a.

रघुवंश के प्रथम सर्ग से उद्धरण देते हुए "उपमा कालिदासस्य" उक्ति की समीक्षा कीजिए।

3 Translate the following : 5

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

अस्ति कस्मिंश्चित् समुद्रोपकण्ठे महाञ्जम्बूपादपः सदाफलः। तत्र च रक्तमुखो नाम वानरः प्रतिवसति स्म। तत्र च तस्य तरोरधः कदाचित्करालमुखो नाम मकरः समुद्रसलिलान्निष्क्रम्य सुकोमलबालुकासनाथे तीरोपान्ते न्यविशत्। ततश्च रक्तमुखेन स प्रोक्तः 'भो! भवान्समभ्यागतोऽतिथिः, तद्भक्षयतु मया दत्तान्यमृततुल्यानि जम्बूफलानि।

Or/अथवा

अथ नन्दस्य भार्यापि तथैव रुष्टा प्रसाद्यमानाऽपि न तुष्यति। तेनोक्तम्—"भद्रे! त्वया विना मुहूर्तमपि न जीवामि, पादयोः पतित्वा त्वां प्रसादयामि।" साऽब्रवीत्—"यदि खलीनं मुखे प्रक्षिप्याऽहं तव पृष्ठे समारुह्य त्वां धावयामि, धावितस्तु यद्यश्ववद् हरेथसे, तदा प्रसन्ना भवामि।" राज्ञाऽपि तथैवानुष्ठितम्।

4. Translate any *two* of the following with reference to the context : 5

निम्नलिखित में से किन्हीं दो का सप्रसङ्ग अनुवाद कीजिए :

(*i*) प्रियो वा यदि वा द्वेष्यो मूर्खो वा यदि पण्डितः।
वैश्वदेवान्तमापन्नः सोऽतिथिः स्वर्गसंक्रमः॥

(*ii*) ददाति प्रतिगृह्णाति गुह्यमाख्याति पृच्छति।
भुङ्क्ते भोजयते चैवषड्विधं प्रीतिलक्षणम्॥

(*iii*) यस्य न ज्ञायते शीलं न कुलं न च संश्रयः।

न तेन सङ्गतिं कुर्यात् इत्युवाच बृहस्पतिः॥

(*iv*) शूरोऽसि कृतविद्योऽसि दर्शनीयोऽसि पुत्रक!

यस्मिन्कुले त्वमुत्पन्नो गजस्तत्र न हन्यते॥

5. Narrate briefly in your own words any *one* of the following stories and give the moral of the story : 5

निम्नलिखित में से किसी **एक** कथा का शिक्षा सहित सार अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए :

(*i*) नन्द-वररुचि कथा

(*ii*) रक्तमुखवानर-मकरकथा

(*iii*) युधिष्ठिरकुम्भकारकथा।

6. Disjoin Sandhis in any **16** underlined words in Q. No. **1**, **3** and **4**. 8

प्रश्न क्रमांक **1**, **3** एवं **4** के रेखांकित शब्दों में से किन्हीं **16** का संधि-विच्छेद कीजिए।

7. Account for the case-endings in any *seven* of the following underlined words :

निम्नलिखित रेखांकित शब्दों में से किन्हीं सात में विभक्ति के कारण बताइए :

(*i*) वनचरैः सह भ्रान्तं वरम्।

(*ii*) विद्यया विहीनः पशुः।

(*iii*) अधिशेते वैकुण्ठं हरिः।

(*iv*) सः गुरुन् पृष्ट्वा कार्यं कुरुते।

(*v*) स्वल्पस्य कृते अधिकं न नाशयेत्।

(*vi*) वीर्याभ्यधिकम् आत्मनः मित्रं, विषभक्षणम् इव।

(*vii*) स्वकार्याय बलिना बलवत्तरं योजयेत्।

(*viii*) विश्वासात् उत्पन्नं भयं मूलानि निकृन्तति।

(*ix*) रामेण हतो बाली।

(*x*) कृतं परिश्रमेण।

(*xi*) तस्मै जम्बूफलानि ददौ।

(*xii*) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः।

(*xiii*) शीलं शैलतटात् पततु।

Answer the following questions in Sanskrit on the basis of the texts given in Q. No. 3 : 5

प्रश्न संख्या 3 में दिये गये गद्यांशों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

(*i*) महाञ्जम्बूपादपः कुत्र अस्ति?

(*ii*) रक्तमुखो नाम वानरः कुत्र प्रतिवसति स्म?

(*iii*) रक्तमुखः करालमुखं किमवोचत्?

(*iv*) स्वकीयं रुष्टां भार्यां प्रति नन्देन किमुक्तम्?

(*v*) पंचतन्त्रस्य ग्रंथस्य कोऽस्ति लेखक:?

9. (*a*) Write short notes on any *two* of the following : 5+5

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

सुबन्धु, किरातार्जुनीयम्, शतकत्रय, बाणभट्ट, कुमारसम्भव, दण्डी।

(*b*) Write a detailed note on lyrical poetry in Sanskrit literature. 10

संस्कृत-साहित्य में खण्ड-काव्यों पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

Or/**अथवा**

Describing main features of Sanskrit Mahakavyas, write a note on Raghuvansa.

संस्कृत-महाकाव्यों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए रघुवंश महाकाव्य पर टिप्पणी लिखिए।